'प्रवासी दें विकास में योगदान'

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संदेश, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में

एजेंसियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत आज अपनी विरासत के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह कह पाता है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' में निहित है। दुनिया आज भारत की बात को बड़े ध्यान से सुनती है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित '18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025' सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ लोकतंत्र की जननी ही नहीं है, बल्कि लोकतंत्र हर भारतीय के जीवन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने कहा, '21वीं सदी का भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है और जिस स्तर पर आज विकास के काम हो रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य में प्रवासी भारतीय समुदाय से मदद का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, 'मानवीयता प्रथम के भाव के साथ भारत अपनी वैश्विक भूमिका का विस्तार कर रहा है।' मोदी ने कहा, 'दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था तब हमारे सम्राट अशोक ने ओडिशा में शांति का रास्ता चुना था। हमारी विरासत का यह वही बल है, जिसकी प्रेरणा से आज भारत, दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है।' प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद दोनों देशों के बीच युद्ध, इजराइल और फलस्तीन के बीच संघर्ष और विश्व के कई देशों में हिंसा और अस्थिरता का दौर देखने को मिल रहा है।

चार प्रदर्शनियों का किया उद्घाटन

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रवासी भारतीयों से भारत के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बनाने में भी अपनी भूमिका का निर्वाह करने का अनुरोध किया
- सभी प्रवासियों से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ जाने का भी किया आग्रह

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1947 में भारत की आजादी में प्रवासी भारतीयों ने अहम भूमिका निभाई थी और अब 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने इस लक्ष्य में प्रवासी भारतीय समुदाय से मदद का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों के कठिन परिश्रम के चलते आज भारत रेमिटेंस (विदेशों से देश में भेजी गई रकम) के मामले में दुनिया में नंबर एक हो गया है। अब हमें इससे भी आगे सोचना है। आप भारत के साथ-साथ दूसरे देशों में निवेश करते हैं। वित्तीय सेवाओं और निवेश से जुड़ी आपकी जरूरतों को पूरा करने में हमारा गिफ्ट सिटी इकोसिस्टम मदद कर सकता है। आप सभी इसका लाभ ले सकते हैं और विकसित भारत की यात्रा को और ताकत दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा प्रवासी समुदाय को भारत का राजदूत माना है। हम आपकी सुविधा और आराम को बहुत महत्त्व देते हैं। आपकी सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम संकट की स्थितियों के दौरान अपने लोगों की मदद करना अपनी जिम्मेदारी मानते हैं, चाहे वे कहीं भी हों।' उन्होंने कहा, 'यह आज भारत की विदेश नीति के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है। पिछले दशक के दौरान हमारे दूतावास और कार्यालय विश्वव्यापी रूप से संवेदनशील और सक्रिय रहे हैं।' मोदी ने कहा कि इससे पहले कई देशों में लोगों को कांसुलर सुविधाओं तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी तथा उन्हें मदद के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'अब इन समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में 14 दूतावास और वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। ओसीआई कार्ड का दायरा भी बढ़ाया जा रहा है। इसे मॉरीशस की 7वीं पीढ़ी के पीआईओ तक बढ़ा दिया गया है।' उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं और वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इन सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता है।'

प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से भारत के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बनाने में भी अपनी भूमिका का निर्वाह करने के साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लेने और सभी से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ जाने का भी अनुरोध किया। बाद में प्रधानमंत्री ने चार प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया।

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट पूरा

संक्रामक रोग उपचार में मिलेगी मदद

संकेत कौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जीनोम इंडिया परियोजना के पूरा होने की घोषणा करते हुए 10 हजार भारतीय नागरिकों का जीनोम अनुक्रमण डेटा जारी किया। प्रधानमंत्री ने इसे जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर करार दिया। राष्ट्रीय डेटाबेस में देश के असाधारण आनुवंशिक परिदृश्य को समाहित किया गया है। यह आनुवांशिक और संक्रामक रोगों के उपचार में प्रगति की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही नई दवाओं और सटीक चिकित्सा तकनीक के विकास को बढ़ावा देगा और विविध समुदायों की जीवनशैली तथा आदतों में अनुसंधान को सक्षम करेगा।

यह परियोजना जनवरी 2020 में शुरू की गई थी। जीनोम इंडिया डेटा देश में आनुवंशिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आईआईटी, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र (ब्रिक) जैसे 20 से भी ज्यादा प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थानों ने इस शोध में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह डेटा अब भारतीय जैविक डेटा केंद्र (आईबीडीसी) के शोधकर्ताओं को उपलब्ध होगा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित जीनोमिक्स डेटा सम्मेलन में मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा, 'मुझे खुशी है कि देश के 20 से ज्यादा शोध संस्थानों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस परियोजना का डेटा 10 हजार भारतीयों का 'जीनोम सिक्वेंस' अब इंडिया बायोलॉजिकल डेटा सेंटर में उपलब्ध है।' इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद, आईसीएमआर के महानिदेशक एवं स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव राजीव बहल और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव राजेश एस गोखले उपस्थित थे।

मिल्कीपुर में योगी ने झोंकी ताकत

वीरेंद्र सिंह रावत

मिल्कीपुर विधान सभा सीट के लिए आगामी 5 फरवरी को होने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। यहां हर हाल में जीत दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी अभेद्य रणनीति बुननी शुरू कर दी है। पिछले विधान सभा चुनाव में अयोध्या जिले में आने वाली मिल्कीपुर विधान सभा सीट से समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद विधायक बने थे। वर्ष 2024 के आम चुनाव में अवधेश फैजाबाद लोक सभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और यहां से सांसद लल्लू सिंह को हराकर सांसद बन गए। इस कारण मिल्कीपुर सीट रिक्त हो गई।

बीते साल अक्टूबर में निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश की 9 विधान सभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी थी, लेकिन अदालती कार्यवाही जारी रहने के कारण मिल्कीपुर को उस समय छोड़ दिया गया था। नवंबर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लखनऊ पीठ ने चुनाव याचिका को वापस लेने की इजाजत दे दी थी। इससे मिल्कीपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया और आयोग ने 7 जनवरी को यहां उपचुनाव की तारीख घोषित कर दी।

अयोध्या में जनवरी 2022 में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बावजूद केंद्र और राज्य में सत्ताधारी भाजपा को फैजाबाद लोक सभा सीट पर सपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसकी भरपाई करने को भाजपा यह सीट जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। इसलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं मिल्कीपुर विधान सभा सीट के प्रभारी हैं और छह वरिष्ठ मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, दयाशंकर मिश्र दयालु, मयंकेश्वर शरण सिंह और सतीश शर्मा को भी मैदान में उतारा गया है। इन सभी मंत्रियों को गांवों एवं ब्लॉकों में बूथ स्तर पर मतदाताओं से संपर्क करने एवं भाजपा सरकार की उपलब्धियों का प्रचार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या और ब्रजेश पाठक भी लगातार मिल्कीपुर का दौरा कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

तिरुपति भगदड़

न्यायिक जांच होगी : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि वह तिरुपति में भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच का आदेश देंगे, जिसमें 6 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस अधीक्षक सहित तीन वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया गया है। नायडू ने कहा कि उन्होंने लापरवाही के लिए एक डीएसपी सहित दो अधिकारियों को निलंबित करने का भी आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तिरुपति में प्रशासन और निगरानी तंत्र में कुछ कमियां पाई हैं, जिन्हें 'बिल्कुल सही' होना चाहिए था।

नायडू ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये और घायलों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने तिरुपति में टोकन जारी करने की एक नई प्रणाली शुरू की थी, जबकि पहले तिरुमला पहाड़ियों में टोकन देने की व्यवस्था थी। तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार रात भगदड़ मचने से कम से कम 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। **भाषा**

सवाल जवाब

एच-1बी वीजा में कटौती से अमेरिकी जीडीपी पर पड़ेगा प्रभाव

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में वाशिंगटन स्थित भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी मंच, जिसके सदस्य दोनों देशों की शीर्ष कंपनियां हैं, के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी डॉ. मुकेश अग्घी ने सुरजीत दास गुप्ता से खास बातचीत में दोनों देशों के बीच कारोबारी चुनौतियों एवं अवसरों के बारे में विस्तृत चर्चा की। पेश हैं मुख्य अंश:

एच-1बी वीजा मुद्दे पर ट्रंप एवं उनके सलाहकार ईलॉन मस्क और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) समूह के बीच तगड़ी जंग छिड़ गई है। क्या इससे वीजा कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित होगा?

एच-1बी वीजा की शुरुआत अमेरिकी कंपनियों के लिए तकनीकी कर्मचारियों की मांग एवं आपूर्ति में अंतर को पाटने के लिए की गई थी। इसके तहत बेहद कुशल कर्मचारियों को अमेरिका लाने की योजना थी जो पहले ही दिन से उत्पादक बन सकते थे। मगर समय के साथ-साथ बड़ी तादाद में स्टाफिंग कंपनियों ने कम कुशल कर्मचारियों को लाकर और परमिट हथियाकर उसका दुरुपयोग करना शुरू कर दिया। इससे स्थानीय कर्मचारियों को गलत संदेश गया क्योंकि कुछ मामलों में उन्हें लागत में कटौती के कारण एच-1बी कर्मचारियों के बदले में नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि अवैध आव्रजन का विरोध करने वाले लोगों को इससे एक मुद्दा मिल गया लेकिन उन तकनीकी कंपनियों के लिए भी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं जो प्रतिस्पर्धी बनना चाहती हैं।

यह मुद्दा कितना गंभीर है?

हमारा मानना है कि स्टाफिंग कंपनियां 30 से 40 फीसदी एच-1बी वीजा हड़प लेती हैं। वे सालाना 80,000 से 1,00,000 डॉलर वेतन की पेशकश करती हैं जबकि वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां सालाना 1,20,000 डॉलर से 1,50,000 डॉलर वेतन की पेशकश करती हैं। इसलिए अधिक से अधिक वैध आव्रजन को उचित ठहराना हमारे लिए कठिन हो गया है।

मगर सच तो यह भी है कि अधिकतर एच-1बी वीजाधारक वहां रुकना और ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करना चाहते हैं। क्या मागा समूह इससे चिंतित है?

हमारे पास 10 लाख से अधिक ऐसे भारतीय हैं जो एच-1बी वीजा को ग्रीन कार्ड में बदले जाने का इंतजार कर रहे हैं। मगर इसके लिए सालाना 7 फीसदी की सीमा निर्धारित है। इसलिए इसमें काफी समय लगेगा। मगर उस सीमा को हटाने अथवा उसमें ढील देने के प्रयासों को भी अवैध आव्रजन का विरोध करने वाले लोग अमेरिका को निचले दर्जे के प्रवासी श्रमिकों से भरने के प्रयास के रूप में देखते हैं। हमारे पास 52 लाख भारतीय अमेरिकी हैं और पिछले कुछ वर्षों में उनकी तादाद काफी बढ़ी है। इसके अलावा 10 लाख से अधिक लोग ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं और इसमें भी वृद्धि होगी। एच-1बी वीजा ने अच्छा काम किया है और 70 फीसदी वीजा भारतीय कामगारों को दिए गए हैं। अगर ट्रंप प्रशासन इसे अवरुद्ध करने का निर्णय लेता है तो निश्चित तौर पर अमेरिकी और भारतीय कंपनियां प्रभावित होंगी।

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में प्रौद्योगिकी कंपनियों पर एच-1बी वीजा धारकों को अधिक वेतन देने का दबाव बनाया था लेकिन वैसा नहीं हो पाया था। क्या इस बार भी ऐसी कोशिश की जाएगी?

नई सरकार निश्चित तौर पर ऐसा करने की भरपूर कोशिश करेगी। जाहिर तौर पर इससे स्टाफिंग कंपनियां प्रभावित होंगी। मगर वेतन में उचित संतुलन बनाना होगा क्योंकि यदि आप अधिक जोर देंगे तो प्रौद्योगिकी कंपनियां अन्य देशों की ओर रुख कर सकती हैं। इसलिए हमें कुछ स्टाफिंग कंपनियों पर गंभीरता से नजर रखने की जरूरत है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि इसका दुरुपयोग न होने पाए। अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं तो आव्रजन विरोधी लॉबी वीजा में कमी करने के लिए कहेंगे।

एच-1बी वीजा में सख्ती किए जाने पर अमेरिकी कंपनियां स्थिति से कैसे निपटेंगी?

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातकों की अधिक से अधिक भर्ती कर रही हैं क्योंकि वे अमेरिकी संस्कृति से अवगत होते हैं और उन्हें नियुक्त करना भी आसान है। अमेरिका में स्नातक की पढ़ाई करने वाले 70 फीसदी छात्र विदेशी हैं और उनमें भारतीय एवं कोरियाई छात्रों की अधिकता है।

क्या एच-1बी वीजा में कटौती का आर्थिक प्रभाव भी पड़ेगा? क्या ऐसा कोई आकलन किया गया है?

एच-1बी वीजा में 10 फीसदी की कटौती का अमेरिकी जीडीपी पर 86 अरब डॉलर का प्रभाव पड़ेगा। साथ ही वीजा के हर 10 इनकार मामलों में 9 नौकरियां देश से बाहर चली जाएंगी।

ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग कहा है। ऐसे में क्या भारत से होने वाले निर्यात पर भी शुल्क लगाया जाएगा?

हालांकि टैरिफ महत्त्वपूर्ण है लेकिन यह अन्य चीजों के लिए बातचीत करने का एक साधन भी है। अमेरिकी कंपनियों ने ट्रंप की टीम के सामने जो बातें रखी हैं उनमें भारतीय कंपनियों के साथ समान अवसर, अधिक बाजार पहुंच और नीति निर्माण में पारदर्शिता की मांग शामिल है।

ट्रंप भारत सहित अन्य देशों के साथ बढ़ते व्यापार घाटे के बारे में भी चिंतित हैं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इसे कम किया जाएगा। ऐसे में भारत को क्या करना चाहिए?

समग्र स्तर पर देखा जाए तो भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 45 अरब डॉलर है। मगर इसे रातोरात निपटाया जा सकता है बशर्ते भारत अमेरिका से ऊर्जा का आयात बढ़ा दे। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भारत ने ऐसा किया था। कुल मिलाकर भारत ऊर्जा मद में 120 अरब डॉलर खर्च करता है, लेकिन समस्या यह है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को निर्यात रोक दिया था।

चीन प्लस वन रणनीति से भारत के मुकाबले वियतनाम को अधिक फायदा हुआ है। क्या आपको लगता है कि ट्रंप के कार्यकाल संभालने पर इसमें बदलाव होगा?

वियतनाम इसका एक लाभार्थी रहा है क्योंकि अमेरिका के साथ उसका मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मगर वहां क्षमता और विस्तार की समस्या है क्योंकि उसके पास पर्याप्त लोग उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा उसके पास भारत की तरह विशाल घरेलू बाजार भी नहीं है। भारत के प्रति अमेरिकी कंपनियों का नजरिया काफी सकारात्मक है। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका एवं चीन के बीच तनाव बढ़ेगा और इसलिए यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कोई बाधा न आए। इसलिए भारत अमेरिकी कंपनियों की रणनीति का अहम हिस्सा बन गया है।

इस साल दिखेगा बॉक्स ऑफिस की सफलता का सीक्वल

रोशनी शेखर

दक्षिण के मशहूर अभिनेता अलु अर्जुन की बेहद चर्चित फिल्म 'पुष्पा' के सीक्वल, 'पुष्पा 2 : दि रूल' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिकॉर्ड बनाया। यह शानदार प्रदर्शन इसलिए नहीं हुआ कि प्रशंसक अलु अर्जुन को पुष्पा राज की भूमिका में दोबारा देखना चाहते थे बल्कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में तेजी की एक वजह, फिल्म की टिकट की औसत कीमत में बढ़ोतरी भी थी।

हालांकि 'पुष्पा 2: दि रूल' को लेकर व्यापक प्रचार के बावजूद देश के मल्टीप्लेक्स चेन को उम्मीद है कि इस साल टिकट की औसत कीमत में सामान्य बढ़ोतरी होगी और बॉक्स ऑफिस के बेहतर प्रदर्शन में रिलीज होने की कतार में खड़ी बॉलीवुड, हॉलीवुड के साथ-साथ क्षेत्रीय फिल्मों का भी योगदान होगा।

कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मल्टीप्लेक्स चेन जैसे कि सिनेपॉलिस इंडिया, पीवीआर आइनॉक्स और मुक्ता ए2 सिनेमाज और कारोबार विश्लेषकों को उम्मीद है कि 2024 के प्रदर्शन की तुलना में 2025 में बेहतर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और बेहतर होगा।

सिनेपॉलिस इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) देवांग संपत ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा, 'हम 2025 को लेकर बेहद आशान्वित हैं और हमारा मानना है कि यह उद्योग के लिए बेहतर वर्ष साबित होगा।' उन्होंने कहा, 'इस वर्ष रिलीज होने वाली फिल्मों से बेहद उम्मीद है जिसमें बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म से लेकर क्षेत्रीय सिनेमा और हॉलीवुड की फिल्में भी शामिल हैं जिनको लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसके अलावा नए तरह की मार्केटिंग रणनीतियों और आईमैक्स तथा 4डीएक्स जैसे प्रीमियम फॉर्मेट की बढ़ती अपील को देखते हुए हमें उम्मीद है कि इन फिल्मों को रिकॉर्ड स्तर पर दर्शक मिलेंगे।'

फिल्म कारोबार विश्लेषक कोमल नाहटा और गिरीश वानखेड़े दोनों को 2025 में बॉक्स ऑफिस के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वानखेड़े ने बताया, '2025 को लेकर बढ़ी उम्मीदों की वजह यह है कि बॉलीवुड के तीन सुपरस्टार खान, सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान की फिल्में रिलीज होंगी। इन तीनों का स्टारडम अब भी कायम है और इनके अपने-अपने प्रशंसकों का एक वर्ग है जिनके बलबूते यह अक्सर बॉक्स ऑफिस की सफलता में तब्दील हो जाता है।' सलमान खान अभिनीत फिल्म 'सिकंदर', शाहरुख खान की 'किंग' और आमिर खान की फिल्म, 'सितारे जमीं पर' इस साल रिलीज होने के लिए तैयार हैं। 'सिकंदर' ईद के वक्त रिलीज होगी वहीं 'सितारे जमीं पर' क्रिसमस के दौरान रिलीज होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की फिल्में दर्शकों के बीच काफी सुर्खियां पा रही हैं और इसके चलते इस साल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में भी सुधार दिख रहा है। इसके अलावा 2025 में कई फ्रैंचाइजी फिल्में मसलन 'जॉली एलएलबी 3', 'रेड 2', 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'दि कंज्यूरिंगः लास्ट राइट्स', 'अवतार 3: फायर ऐंड ऐश' और 'दे दे प्यार दे 2' रिलीज होंगी जिनका बड़ा प्रशंसक वर्ग है।

इमेजिंगः अजय मोहंती

मुक्ता ए2 सिनेमाज के प्रबंध निदेशक राहुल पुरी का कहना है, 'साल 2024 की अपनी चुनौतियां थीं। लेकिन इससे सिनेमा के लिए दर्शकों का साथ और प्यार मिलने की दोबारा पुष्टि हुई। अब 2025 में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं जिनको लेकर उत्साह है और हमें पूरी उम्मीद है कि बॉक्स ऑफिस पर इनका शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। हमारा पूरा जोर इस बात पर है कि सिनेमाप्रेमियों के लिए फिल्में देखने का अनुभव यादगार बने। हम अनूठे तरीके से फिल्म की प्रमोशन शुरू कर रहे हैं और दर्शकों के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहे हैं ताकि दर्शकों की तादाद बढ़ने के साथ ही बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन भी बेहतर हो सके।'

इस वर्ष रिलीज होने वाली अन्य फिल्मों में अक्षय कुमार की फिल्म 'स्काईफोर्स', शाहिद कपूर की 'देवा', विक्की कौशल की 'छावा', हॉलीवुड की फिल्म 'कैप्टन अमेरिकाः ब्रेव न्यू वर्ल्ड' और फिल्म 'सिकंदर' शामिल है जिसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं।

पिछले साल का प्रदर्शन

वर्ष 2024 में टिकट के अधिक औसत मूल्य ने बॉक्स ऑफिस की कमाई में अपना योगदान दिया जो 'पुष्पा 2: दि रूल' से मिला जिसनकी टिकट की कीमतें 250 रुपये से 1,200 रुपये तक है।

वानखेड़े का कहना है, 'हमने यह देखा कि सप्ताहांत के दौरान 'पुष्पा 2: दि रूल' फिल्म की टिकट की कीमत काफी बढ़ गई जिसके चलते बॉक्स ऑफिस की कमाई भी तेजी से बढ़ी। इस फिल्म ने पहले ही रविवार को 82 करोड़ रुपये की कमाई की जो किसी हिंदी डब संस्करण वाली फिल्म के लिहाज से सबसे अधिक कमाई है।' हालांकि संपत ने कहा कि साल 2024 में टिकट की कुल कीमत 2023 की तुलना में कम थी क्योंकि ब्लॉकबस्टर फिल्मों की कमी थी। इसके अलावा कई छूट वाली योजनाओं की पेशकश भी की गई थी और प्रमोशन वाले दिन का मकसद भी दर्शकों की तादाद बढ़ाना था।

बंदरेड्डी सुकुमार निर्देशित फिल्म 'पुष्पा 2: दि रूल' के अलावा मल्टीप्लेक्स चेन में नाग अश्विन निर्देशित फिल्म, 'कल्कि 2898 एडी', राजकुमार राव की फिल्म, 'स्त्री 2', दीवाली के दौरान रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' और हॉलीवुड की फिल्म, 'डेडपूल ऐंड वुलवरिन' तथा 'मुफासाः दि लॉयन किंग' जैसी फिल्मों के टिकट की औसत कीमत भी अधिक थी।

पुरी ने कहा, 'टिकट की औसत कीमतों में बदलाव कई वजहों से हुए जिनमें अधिक बजट वाली फिल्मों का रिलीज होना, बड़े सितारों वाली फिल्में, आईमैक्स और 4डीएक्स जैसे प्रीमियम फॉर्मेट की मांग बढ़ने के साथ ही थियेटर की संचालन लागत बढ़ने जैसे कारण शामिल हैं।'

कैलिफोर्निया में भीषण आग, बाइडन की इटली यात्रा रद्द

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के जंगलों में भीषण आग लगने के बाद इटली और वेटिकन की यात्रा अंतिम समय पर रद्द कर दी। यह राष्ट्रपति के तौर पर बाइडन की अंतिम विदेश यात्री थी और वह दौरे पर रवाना होने ही वाले थे। बाइडन को गुरुवार दोपहर पोप फ्रांसिस और इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मेटारेला व प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात के लिए तीन दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना होना था। इस आग में बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर और पेरिस हिल्टन समेत कई हस्तियों के मकान जलकर राख हो गए। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। **भाषा**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
www.bankofbaroda.in

निविदा सूचना

बैंक ऑफ बड़ौदा निम्नलिखित के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है।

क्र.	निविदा का नाम	बोली जमा करने की अंतिम तिथि
1	पीपुलसॉफ्ट एच.आर.एम.एस एप्लिकेशन के लिए ऑनसाइट समर्थन के लिए विक्रेता का चयन के लिए प्रस्ताव।	31 जनवरी 2025
2	एसएमएस सेवा प्रदाताओं के चयन हेतु प्रस्ताव का अनुरोध।	31 जनवरी 2025

विवरण बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर निविदा खंड के अंतर्गत तथा गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (GeM) पर उपलब्ध है।

अन्य सूचना, यदि कोई हो, को बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर निविदा खंड में और गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (GeM) पोर्टल पर जारी किया जाएगा। बोलीकर्ता कृपया आवेदन को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले इसे अवश्य देख लें।

स्थान: मुंबई
दिनांक: 10.01.2025
मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी
(106/24-25)